चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-8-26	4	2-3

एचएयू व लुधियाना कृषि विवि में सहयोग बढ़ाने पर समझौता

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना ने शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुलपति बलदेव राज काम्बोज ने इसे औपचारिकता से आगे बढ़कर वर्षों पुराने संबंधों को नई दिशा देने वाला कदम बताया। उनके अनुसार साझेदारी के तहत शिक्षक व छात्र विनिमय, संयुक्त डिग्री कार्यक्रम, सम्मेलन-संगोष्ठियां, सुविधाओं का साझा उपयोग, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं और शोध प्रकाशन को प्रोत्साहन मिलेगा। यह समझौता कृषि क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियों के समाधान के लिए संयुक्त पहल का मार्ग प्रशस्त करेगा।

कुलपति सतबीर सिंह गोसल ने कहा कि भूजल और मृदा स्वास्थ्य में गिरावट तथा मीथेन उत्सर्जन से जुड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय डिजिटल कृषि और कृषि-आधारित उद्यमिता पर भी काम कर रहा है। समझौते पर अनुसंधान निदेशक अजमेर सिंह धत्त और राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि दोनों कुलपतियों के नेतृत्व में यह साझेदारी कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। इस अवसर पर एचएयू के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	5-8-26	12	3-6

समझौता

हरियाणा व पंजाब कृषि विश्वविद्यालय ने मिलाया हाथ

ओएमयू से संयुक्त शोध, छात्र-शिक्षक विनिमय और कृषि को मिलेगा बढ़ावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

उत्तर भारत के दो अग्रणी कृषि संस्थानों हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना ने कृषि शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों को नई दिशा देने के उद्देश्य से मंगलवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय कृषि क्षेत्र की मौजूदा चुनौतियों का संयुक्त रूप से समाधान तलाशने के साथ-साथ नवाचार और आधुनिक तकनीकों के विकास में भी मिलकर कार्य करेंगे। हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि यह समझौता केवल औपचारिक दस्तावेज नहीं, बल्कि दोनों प्रतिष्ठित कृषि विश्वविद्यालयों के दशकों पुराने संबंधों को नई ऊर्जा देने वाला महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थानों के उद्देश्य और चुनौतियां समान हैं, इसलिए यह साझेदारी कृषि क्षेत्र के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि समझौते के तहत शिक्षक एवं छात्र विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त डिग्री पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं, प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का साझा उपयोग तथा शोध प्रकाशनों को बढ़ावा दिया जाएगा। पीएयू के कुलपति डॉ. सतबीर सिंह गोसल ने कहा कि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय सात विश्वविद्यालयों की जननी रहा है और दोनों संस्थानों के बीच लंबे समय से शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग रहा है। उन्होंने कहा कि भूजल स्तर में गिरावट, मृदा स्वास्थ्य का ह्रास और मीथेन उत्सर्जन जैसी गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

हिसार। समझौते के दौरान कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज एवं पीएयू के कुलपति डॉ. सतबीर सिंह गोसल। फोटो: हरिभूमि

निदेशकों ने किए हस्ताक्षर

दोनों कुलपतियों की उपस्थिति में पीएयू की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. अजमेर सिंह धत्त तथा हकृवि की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। डॉ. राजबीर गर्ग ने विश्वास जताया कि दोनों कुलपतियों के नेतृत्व में यह साझेदारी कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। पीएयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. एमएस भुल्लर ने धन्यवाद किया, जबकि सह निदेशक डॉ. विशाल बेक्टर ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर हकृवि के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल तथा विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5.8.26	4	1-6

खेती को मिलेगी शोध और नवाचार की ताकत

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और लुधियाना के पंजाब कृषि विवि के बीच कृषि सहयोग के लिए हुआ समझौता

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। कृषि शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग को नई गति देने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू), हिसार और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू), लुधियाना ने मंगलवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

दावा है कि यह साझेदारी दोनों प्रतिष्ठित कृषि संस्थानों की विशेषज्ञता और संसाधनों को एक मंच पर लाकर कृषि क्षेत्र की मौजूदा चुनौतियों के समाधान, नई तकनीकों के विकास और किसानों तक उन्नत ज्ञान पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

एचएयू के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस समझौते को केवल औपचारिक दस्तावेज नहीं, बल्कि दो अग्रणी कृषि विश्वविद्यालयों के बीच वर्षों पुराने संबंधों को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला कदम बताया। दोनों संस्थानों के उद्देश्य और चुनौतियां समान हैं इसलिए यह साझेदारी अत्यंत प्रासंगिक है।

समझौते के दौरान कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज और पीएयू के कुलपति डॉ. सतबीर सिंह गोसल। स्रोत : संस्थान

इस समझौते के अंतर्गत शिक्षक एवं छात्र विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त डिग्री कार्यक्रम, सम्मेलन एवं संगोष्ठियों का आयोजन, अनुसंधान, सुविधाओं का साझा उपयोग, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं तथा शोध प्रकाशन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे दोनों विश्वविद्यालयों की वैश्विक प्रतिष्ठा और मजबूत होगी।

पीएयू के कुलपति डॉ. सतबीर सिंह गोसल ने कहा कि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय सात विश्वविद्यालयों की जननी रहा है तथा दोनों संस्थानों के बीच दशकों पुराने शैक्षणिक एवं अनुसंधान संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि भूजल स्तर में गिरावट, मृदा स्वास्थ्य में गिरावट तथा मीथेन उत्सर्जन से बढ़ता वैश्विक तापमान जैसी चुनौतियों का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

उन्होंने बताया कि पीएयू पारंपरिक कृषि से आगे बढ़कर डिजिटल कृषि तथा कृषि-आधारित उद्यमिता को बढ़ावा दे रहा है और दोनों विश्वविद्यालयों की विशेषज्ञता एवं संसाधनों का समन्वय टिकाऊ कृषि विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पीएयू के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य डॉ. अशोक कुमार ने दोनों विश्वविद्यालयों के ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह सहयोग शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों में उल्लेखनीय प्रगति का आधार बनेगा।

समारोह में दोनों विश्वविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। पीएयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. एम.एस. भुल्लर ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जबकि सह निदेशक डॉ. विशाल बेक्टर ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर हकृवि के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक उपस्थित रहे।

इन अधिकारियों ने किए हस्ताक्षर

कार्यक्रम के दौरान उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की उपस्थिति में पीएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. अजमेर सिंह धत्त जबकि एचएयू की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि दोनों कुलपतियों के नेतृत्व में यह साझेदारी कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-8-26	4	5-6

हकृवि व पंजाब कृषि विवि के बीच कृषि सहयोग के लिए समझौता

समझौते के दौरान कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज एवं पीएयू के कुलपति डा. सतबीर।

जासं ● हिसार : उत्तर भारत के दो प्रतिष्ठित कृषि विश्वविद्यालयों —चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना के बीच शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों में सहयोग को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक समझौता हुआ। हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस समझौते को केवल औपचारिक दस्तावेज नहीं, बल्कि दो अग्रणी कृषि विश्वविद्यालयों के बीच वर्षों पुराने संबंधों को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला कदम बताया।

उन्होंने कहा कि दोनों संस्थानों के उद्देश्य और चुनौतियां समान हैं, इसलिए यह साझेदारी अत्यंत प्रासंगिक है। इस समझौते के अंतर्गत शिक्षक एवं छात्र विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त डिग्री कार्यक्रम, सम्मेलन एवं संगोष्ठियों का आयोजन, अनुसंधान, सुविधाओं का साझा उपयोग, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं तथा शोध प्रकाशन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5.8.26	5	1-3

हकृवि और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के बीच कृषि सहयोग को और सुदृढ़ करने के लिए हुआ समझौता

हिसार, 4 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा): उत्तर भारत के दो प्रतिष्ठित कृषि विश्वविद्यालयों-चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के बीच शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों में सहयोग को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह समझौता कृषि क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियों के समाधान के लिए संयुक्त पहल का मार्ग प्रशस्त करेगा। हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस समझौते को केवल औपचारिक दस्तावेज नहीं, बल्कि दो अग्रणी कृषि विश्वविद्यालयों के बीच वर्षों पुराने संबंधों को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला कदम बताया। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थानों के उद्देश्य और चुनौतियाँ समान हैं, इसलिए यह साझेदारी अत्यंत प्रासंगिक है। इस समझौते के अंतर्गत शिक्षक एवं छात्र विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त डिग्री कार्यक्रम, सम्मेलन एवं संगोष्ठियों का आयोजन, अनुसंधान, सुविधाओं का साझा उपयोग, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ तथा शोध प्रकाशन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे दोनों विश्वविद्यालयों की वैश्विक प्रतिष्ठा और मजबूत होगी। पीएयू के कुलपति डॉ. सतबीर सिंह गोसल ने कहा कि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय सात विश्वविद्यालयों की जननी रहा है तथा दोनों संस्थानों के बीच दशकों पुराने शैक्षणिक एवं अनुसंधान संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि भूजल स्तर में गिरावट, मृदा स्वास्थ्य में गिरावट तथा मीथेन उत्सर्जन से बढ़ता वैश्विक तापमान जैसी चुनौतियों का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने बताया कि पीएयू पारंपरिक कृषि से आगे बढ़कर डिजिटल कृषि तथा कृषि-आधारित उद्यमिता को बढ़ावा दे रहा है और दोनों विश्वविद्यालयों की विशेषज्ञता एवं संसाधनों का समन्वय टिकाऊ कृषि विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पीएयू के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य डॉ. अशोक कुमार ने दोनों विश्वविद्यालयों के ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह सहयोग शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों में उल्लेखनीय प्रगति का आधार बनेगा। कार्यक्रम के दौरान उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की उपस्थिति में पीएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. अजमेर सिंह धत्त जबकि हकृवि की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि दोनों कुलपतियों के नेतृत्व में यह साझेदारी कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। समारोह में दोनों विश्वविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। पीएयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. एम.एस. भुल्लर ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जबकि सह निदेशक डॉ. विशाल बेक्टर ने मंच का संचालन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	04.08.2026	-----	----

हकृवि और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के बीच कृषि सहयोग को और सुदृढ़ करने के लिए हुआ समझौता

समझौते के दौरान कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज एवं पीएयू के कुलपति डॉ. सतबीर सिंह गोसल

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। उत्तर भारत के दो प्रतिष्ठित कृषि विश्वविद्यालयों चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के बीच शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों में सहयोग को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह समझौता कृषि क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियों के समाधान के लिए संयुक्त पहल का मार्ग प्रशस्त करेगा।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस समझौते को केवल औपचारिक दस्तावेज नहीं, बल्कि दो अग्रणी कृषि विश्वविद्यालयों के बीच वर्षों पुराने संबंधों को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला कदम बताया। दोनों संस्थानों के उद्देश्य और चुनौतियाँ समान हैं, इसलिए यह साझेदारी अत्यंत प्रासंगिक है। इस समझौते के अंतर्गत शिक्षक एवं छात्र विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त डिग्री कार्यक्रम, सम्मेलन एवं संगोष्ठियों का आयोजन, अनुसंधान, सुविधाओं का साझा उपयोग, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ तथा शोध प्रकाशन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे दोनों विश्वविद्यालयों की वैश्विक प्रतिष्ठा और मजबूत होगी।

पीएयू के कुलपति डॉ. सतबीर सिंह गोसल ने कहा कि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय सात विश्वविद्यालयों की जननी रहा है तथा दोनों संस्थानों के बीच दशकों पुराने शैक्षणिक एवं अनुसंधान संबंध रहे हैं। भूजल स्तर में गिरावट, मृदा स्वास्थ्य में गिरावट तथा मीथेन उत्सर्जन से बढ़ता वैश्विक तापमान जैसी चुनौतियों का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने बताया कि पीएयू पारंपरिक कृषि से आगे बढ़कर डिजिटल कृषि तथा कृषि-आधारित उद्यमिता को बढ़ावा दे रहा है और दोनों विश्वविद्यालयों की विशेषज्ञता एवं संसाधनों का समन्वय टिकाऊ कृषि विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के दौरान उपरोक्त दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की उपस्थिति में पीएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. अजमेर सिंह धत्त जबकि हकृवि की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि दोनों कुलपतियों के नेतृत्व में यह साझेदारी कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	04.08.2026	-----	----

हकृवि और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के बीच कृषि सहयोग को और सुदृढ़ करने के लिए हुआ समझौता

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। उत्तर भारत के दो प्रतिष्ठित कृषि विश्वविद्यालयों चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के बीच शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों में सहयोग को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह समझौता कृषि क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियों के समाधान के लिए संयुक्त पहल का मार्ग प्रशस्त करेगा। हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस समझौते को केवल औपचारिक दस्तावेज नहीं, बल्कि दो अग्रणी कृषि विश्व विद्यालयों के बीच वर्षों पुराने संबंधों को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला कदम बताया। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थानों के उद्देश्य और चुनौतियाँ समान हैं, इसलिए यह साझेदारी अत्यंत प्रासंगिक है। इस समझौते के अंतर्गत शिक्षक एवं छात्र विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त डिग्री कार्यक्रम, सम्मेलन एवं संगोष्ठियों का आयोजन, अनुसंधान, सुविधाओं का साझा उपयोग, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ तथा शोध प्रकाशन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे दोनों विश्वविद्यालयों की वैश्विक प्रतिष्ठा और मजबूत होगी। पीएयू के कुलपति डॉ. सतबीर सिंह गोसल ने कहा कि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय सात विश्वविद्यालयों की जननी रहा है तथा दोनों संस्थानों के बीच दशकों पुराने शैक्षणिक एवं अनुसंधान संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा

कि भूजल स्तर में गिरावट, मृदा स्वास्थ्य में गिरावट तथा मीथेन उत्सर्जन से बढ़ता वैश्विक तापमान जैसी चुनौतियों का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने बताया कि पीएयू पारंपरिक कृषि से आगे बढ़कर डिजिटल कृषि तथा कृषि-आधारित उद्यमिता को बढ़ावा दे रहा है और दोनों विश्वविद्यालयों की विशेषज्ञता एवं संसाधनों का समन्वय टिकाऊ कृषि विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पीएयू के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य डॉ. अशोक कुमार ने दोनों विश्वविद्यालयों के ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह सहयोग शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार गति विधियों में उल्लेखनीय प्रगति का आधार बनेगा।

इन अधिकारियों ने किए हस्ताक्षर

कार्यक्रम के दौरान उपरोक्त दोनों विश्व विद्यालयों के कुलपतियों की उपस्थिति में पीएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. अजमेर सिंह धत जबकि हकृवि की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि दोनों कुलपतियों के नेतृत्व में यह साझेदारी कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। समारोह में दोनों विश्वविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। पीएयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. एम.एस. भुल्लर ने धन्यवाद प्रस्तुत किया, जबकि सह निदेशक डॉ. विशाल वेक्टर ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर हकृवि के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक उपस्थित रहे।